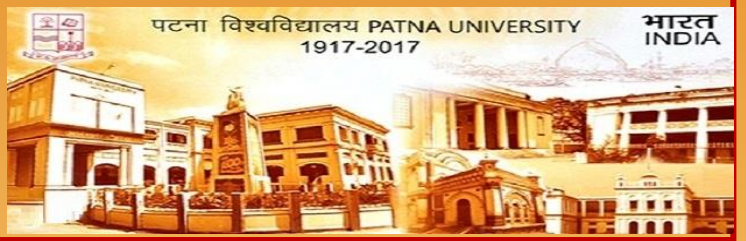

Patna University In News (13.01.2023)

दैनिक भास्कर

पहल • रैंकिंग होने पर फंडिंग मिलने में होगी आसानी, होगा विकास

पटना विवि ने पहली बार नेशनल रैंकिंग के लिए किया आवेदन

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

पटना विश्वविद्यालय ने गुरुवार को नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) के लिए डाटा कैप्चरिंग सिस्टम में रैंकिंग के लिए आवेदन जमा किया। पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो गिरीश कुमार चौधरी ने अपने कंप्यूटर सिस्टम से क्लिक कर ऑनलाइन आवेदन एनआईआरएफ के लिए आवेदन जमा किया। इस दौरान निदेशक आईक्यूएसी प्रो बीरेंद्र प्रसाद, संकायाध्यक्ष छात्र कल्याण प्रो अनिल कुमार, प्रो रजनीश कुमार, प्रो राम कुमार मंडल, डॉ मनोज कुमार सिन्हा, डॉ सुहेली मेहता और डॉ अशोक कुमार झा के उपस्थिति थे। डेटा को अत्यंत सावधानी से भरा गया है और कुलपति ने आशा व्यक्त की कि पटना विश्वविद्यालय को एनआईआरएफ में बेहतर रैंकिंग प्राप्त होगी।

विश्वविद्यालय को नैक में बी प्लस रैंकिंग प्राप्त

नेशनल रैंकिंग का समन्वयन कर रहे प्रो बीरेंद्र कुमार ने कहा कि रैंकिंग के लिए काफी समय से तैयारी चल रही थी। विवि ने अपने तरफ से भरसक प्रयास किया है कि अच्छी रैंकिंग मिले। उन्होंने कहा कि मुख्य क्राइटेरिया में स्टूडेंट्स टीचर्स रेशियो विवि का बेस्ट है। सभी तरह के शिक्षक मिलाकर विवि हर 35 छात्र पर एक शिक्षक मौजूद हैं। वहीं रिसर्च में विवि ने बेहतर किया है। विवि ने पांच सौ के करीब पीएचडी समीशन विगत दो वर्षों में दिखाया है।

14 रिसर्च प्रोजेक्ट पर हो रहा काम

वहीं चार सौ के करीब पीएचडी वर्किंग हैं। इसके अतिरिक्त 14 रिसर्च प्रोजेक्ट पर काम हो रहा है। विवि के द्वारा दो रिसर्च प्रोजेक्ट पेटेंट भी कराया गया है। वहीं सौ से अधिक छात्रों को विगत तीन वर्षों में प्लेसमेंट हुआ है। स्टूडेंट्स वेलफेयर डीन प्रो अनिल कुमार ने कहा कि एनआईआरएफ में रैंकिंग में आने के बाद विवि को इससे काफी लाभ होगा। रैंकिंग होने पर फंडिंग मिलने में बहुत परेशानी नहीं होगी। पटना में आईआईटी व एनआईटी आदि संस्थान ही रैंकिंग के लिए आवेदन करते रहे हैं। विश्वविद्यालयों में पटना विश्वविद्यालय पहला है जिसने रैंकिंग के लिए आवेदन किया है। विवि को नैक में बी प्लस रैंकिंग प्राप्त है। नेशनल रैंकिंग होने के बाद विवि आगे और भी प्रगति करेगा।

सभी के काफी परिश्रम और लगन के बाद विवि ने अंततः एनआईआरएफ के लिए आवेदन कर दिया है। हमने पहली बार आवेदन किया है। अधिकतम और सही डाटा प्रस्तुत किया है। जो भी रैंक आएगा, उसके बाद उससे आगे और बेहतर करने के लिए विवि प्रयास करेगा।

-प्रो गिरीश कुमार चौधरी, कुलपति, पटना विश्वविद्यालय

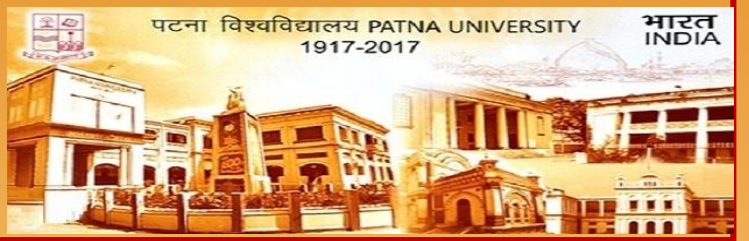

Patna University In News (13.01.2023)

यूजीसी. एक कोर्स रेगुलर व एक ओपन या डिस्टेंस लर्निंग सिस्टम से

नये सत्र से एक साथ हासिल कर सकते हैं दो कोर्स में डिग्री

संवाददाता, पटना

स्टूडेंट्स एकेडमिक सत्र 2023 से एक साथ दो डिग्री हासिल कर सकते हैं. यूजीसी ने जारी गाइडलाइन में कहा है कि स्टूडेंट फिजिकल मोड में दो फुल टाइम एकेडमिक कोर्स कर सकता है. एक कोर्स रेगुलर और एक कोर्स ओपन व डिस्टेंस लर्निंग सिस्टम में कर सकता है. वहीं, दोनों ऑनलाइन प्रोग्राम भी हो सकते हैं. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत यह तैयार किया गया है. बहुत सारे ऐसे स्टूडेंट होते हैं, जो अलग-अलग विषयों के दो कोर्सेज करना चाहते हैं. अगर स्टूडेंट यूनिवर्सिटी की शर्तों को पूरा करते हैं, तो यूजीसी की गाइडलाइन के मुताबिक उन्हें यह मौका मिलेगा. दो कोर्स एक साथ करने की इजाजत देने वाली

यह गाइडलाइंस पीएचडी प्रोग्राम पर लागू नहीं होगी. एकेडमिक प्रोग्राम के लिए यह गाइडलाइन तैयार की गयी है. लेकिन पीएचडी करने वालों के लिए यह मान्य नहीं है.

माइग्रेशन व स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट न होने पर एडमिशन का बनाएं मैकेनिज्म : इसके साथ ही यूजीसी ने एक साथ दो एकेडमिक प्रोग्राम की पढ़ाई करने पर यूनिवर्सिटियों को कहा है कि सभी यूनिवर्सिटी एक ऐसा मैकेनिज्म बनाएं, जिसमें स्टूडेंट्स को दो कोर्स में एडमिशन लेने में दिक्कतों का सामना न करना पड़े. यूजीसी का कहना है कि माइग्रेशन सर्टिफिकेट और स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट न होने के कारण स्टूडेंट्स को दूसरे कोर्स में एडमिशन नहीं मिलने की बात सामने आ रही है और इससे दो डिग्री कोर्स का मकसद कामयाब नहीं हो पा रहा है. ऐसे में जरूरी है कि यूनिवर्सिटीज अपने वैधानिक निकायों के माध्यम से दो शैक्षिक कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने की अनुमति देने के लिए मैकेनिज्म तैयार करें. यूजीसी ने अपने पत्र में कहा है कि कई ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जिसमें छात्र इस आधार पर दूसरे कोर्स में एडमिशन नहीं ले पा रहे हैं कि उनके पास माइग्रेशन और स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट नहीं है. आमतौर पर ये दोनों सर्टिफिकेट किसी संस्थान में पहले कोर्स में एडमिशन के समय जमा करवा लिये जाते हैं.

पीयू ने एनआइआरएफ के लिए किया आवेदन

पटना. पटना यूनिवर्सिटी ने गुरुवार को नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) के लिए डाटा कैप्चरिंग सिस्टम में रैंकिंग के लिए आवेदन जमा किया है. पीयू के कुलपति प्रो गिरीश कुमार चौधरी ने अपने कंप्यूटर सिस्टम से क्लिक कर ऑनलाइन आवेदन एनआइआरएफ के लिए आवेदन जमा किया. इस दौरान निदेशक आइक्यूएसी प्रो बीरेंद्र प्रसाद, संकायाध्यक्ष छात्र कल्याण प्रो अनिल कुमार, प्रो रजनीश कुमार, प्रो राम कुमार मंडल, डॉ मनोज कुमार सिन्हा, डॉ सुहेली मेहता और डॉ अशोक कुमार झा उपस्थिति थे. कुलपति ने आशा व्यक्त किया कि पीयू को एनआइआरएफ में बेहतर रैंकिंग प्राप्त होगी.

प्रभात खबर Fri, 13 January 2023
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/71406845

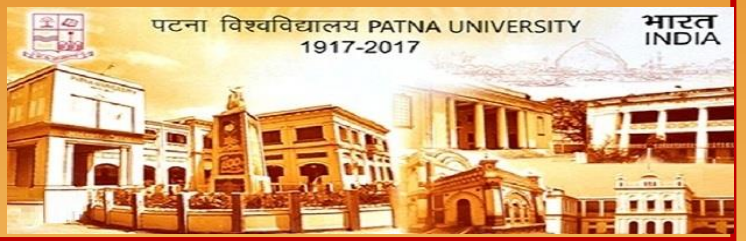

Patna University In News (13.01.2023)

पटना यूनिवर्सिटी : योगी नहीं, कर्मयोगी बनना होगा

पटना. पटना यूनिवर्सिटी के राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से गुरुवार को सीनेट हॉल में विवेकानंद की जयंती मनायी गयी. कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो गिरीश कुमार चौधरी की ने की. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के महानिदेशक आलोक राज एवं मुख्य वक्ता के रूप में शोध एवं प्रशिक्षण, बिहार सरकार के पूर्व निदेशक डॉ विनोदानंद झा थे. कार्यक्रम की आयोजनकर्ता एनएसएस को-आर्डिनेटर डॉ सुहेली मेहता ने बताया कि स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर दिसंबर 2022 के पूरे महीना विभिन्न विधाओं की इंटर कॉलेज कंपीटीशन आयोजित हुई थी. इसमें प्रतियोगी के रूप में सभी कॉलेज के एनएसएस के

स्वयंसेवकों ने भाग लिया. प्रतियोगिता के सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया. आलोक राज ने इस अवसर पर स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के रास्ते चलना है तो योगी नहीं कर्मयोगी बनना होगा. विकास वैभव ने युवाओं को किया संबोधित राष्ट्रीय युवा दिवस तथा स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना में होमगार्ड्स और फायर सर्विसेज के महानिरीक्षक विकास वैभव के साथ एक संवाद का आयोजन किया. मौके पर सीआइएमपी के निदेशक प्रो राणा सिंह ने भी संबोधित किया.

प्रतियोगिता में आदित्य राज को मिला पहला स्थान

पटना. पटना वीमेंस कॉलेज के दर्शनशास्त्र विभाग की ओर से स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर इंटर कॉलेज भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसका विषय स्वामी विवेकानंद के दर्शन की प्रासंगिकता था. इसमें पटना विश्वविद्यालय के बीएन कॉलेज, पटना कॉलेज, पटना वीमेंस कॉलेज के दर्शनशास्त्र के पीजी विभाग के 10 प्रतिभागियों ने भाग लिया. प्रतिभागियों ने स्वामी विवेकानंद के जीवन और शिक्षाओं पर बात की और उनके दर्शन को अपने जीवन में अपनाने पर जोर दिया. प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ स्मिता कुमारी और डॉ तान्या बैनर्जी थीं.

प्रभात खबर
Fri, 13 January 2023
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/71405721

पटना विश्वविद्यालय
Patna University

Estd. 1917

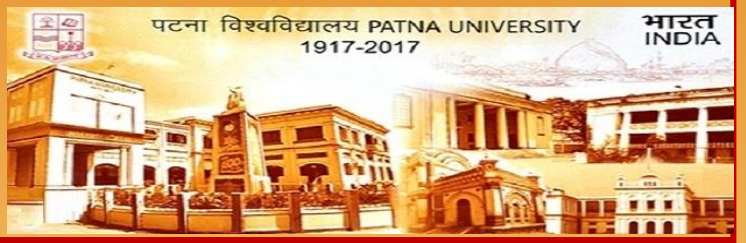

Patna University In News (13.01.2023)

पीडब्ल्यूसी : तीन को ऑडिटोरियम का उद्घाटन

पटना. पटना वीमेंस कॉलेज में नये ऑडिटोरियम का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है. साल 2018 में पुराने स्टेज हॉल को तोड़ कर नये ऑडिटोरियम का निर्माण कार्य शुरू हुआ था. इस ऑडिटोरियम का निर्माण 25 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है. इसमें 2500 छात्राओं के बैठने की जगह होगी. कॉलेज की प्राचार्या डॉ सिस्टर मारिया रश्मि एसी ने बताया कि ऑडिटोरियम का सारा काम पूरा हो चुका है. इसका उद्घाटन तीन फरवरी को कॉलेज के एनुअल डे पर किया जायेगा. यह ऑडिटोरियम बहुत ही भव्य और सारी आधुनिक सुविधाओं से लैस है. यह पूरी तरह साउंड प्रूफ होगा और इसमें एलइडी, सेंट्रलाइज्ड एसी और लाइटिंग की सारी सुविधाएं मौजूद हैं.

प्रभात खबर Fri, 13 https:/

दैनिक भास्कर

भाषण प्रतियोगिता में छात्राओं ने भाग लिया

पटना वीमेंस कॉलेज की ओर से स्वामी विवेकानंद जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया गया। दर्शनशास्त्र विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में "स्वामी विवेकानंद के दर्शन की प्रासंगिकता" विषय पर एक इंटर कॉलेज भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. स्मिता कुमारी, तान्या बनर्जी रहीं। पटना वीमेंस कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सिस्टर एम रश्मि एसी, दर्शनशास्त्र विभाग की प्रमुख डॉ. अमिता जायसवाल के मार्गदर्शन में कार्यक्रम आयोजित हुआ।

दैनिक जागरण

पीयू ने एनआइआरएफ के लिए पहली बार किया आवेदन

• जागरण संवाददाता, पटना : पटना विश्वविद्यालय ने गुरुवार को
• नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) के लिए डाटा कैप्चरिंग सिस्टम में आवेदन किया।

डीएसडब्ल्यू प्रो. अनिल कुमार ने बताया कि पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश कुमार चौधरी ने आनलाइन आवेदन सबमिट किया। विश्वविद्यालय ने एनआइआरएफ के लिए पहली बार आवेदन किया है। कुलपति ने कहा कि काफी सावधानी के साथ आंकड़े दर्ज किए गए हैं, बेहतर रैंकिंग की उम्मीद है। मौके पर निदेशक आइक्यूएसी प्रो. बीरेंद्र प्रसाद, प्रो. रजनीश कुमार, प्रो. रामकुमार मंडल, डा. मनोज कुमार सिन्हा, डा. सुहेली मेहता, डा. अशोक कुमार झा आदि मौजूद थे।

पटना विश्वविद्यालय

Patna University

Estd. 1917

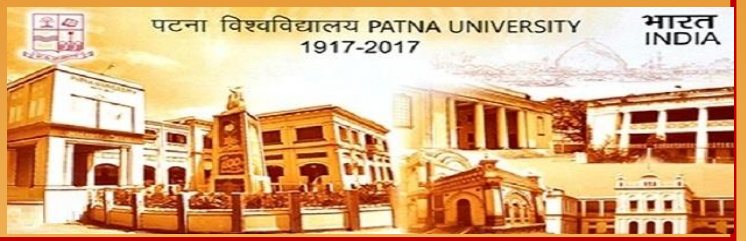

Patna University In News (13.01.2023)

THE TIMES OF INDIA

Quality check: Patna University applies for NIRF ranking

PATNA: For the first time since the National Institutional Ranking Framework (NIRF) was launched in 2015, Patna University (PU) on Thursday applied for NIRF, 2023. The last date for online submission of application for this ranking is January 13. PU had applied for its registration in the month of October itself. The NIRF had invited applications for the 2023 rankings, the eighth edition of the annual exercise, on October 17 itself. NIRF ranks higher education institutions in the country based on objective criteria to promote competitive excellence in the institutions. PU's internal quality assurance cell (IQAC) director Birendra Prasad said that despite some constraints the university has volunteered for NIRF ranking this year on the basis of many of its academic strengths. PU hopes to fare well in the overall ranking, he said. A number of institutions of the state, including the IIT Patna, NIT Patna, Chanakya National Law University, Chandragupt Institute of Management Patna and Patna Women's College have already been participating in the NIRF ranking for the last several years with commendable results. Bihar State Higher Education Council's vice-chairman Kameshwar Jha said altogether 11 institutions from the state had applied for NIRF ranking, 2022. As the awareness about the NIRF has increased considerably among the higher education institutions owing to the sincere efforts of the state government, about 22 institutions from the state are likely to apply for NIRF, 2023, he said. Depending on their areas of operation, institutions are ranked under 11 different categories – overall, university, colleges, engineering, management, pharmacy, law, medical, architecture, dental and research. NIRF has introduced a new category, namely, agriculture and allied sectors this year. This framework outlines a methodology to rank institutions across the country. The methodology draws from the overall recommendations and broad understanding arrived at by a core committee set up by MHRD to identify the broad parameters for ranking the higher education institutions. The parameters broadly cover teaching, learning and resources; research and professional practices; graduation outcomes; outreach and inclusivity; and perception.

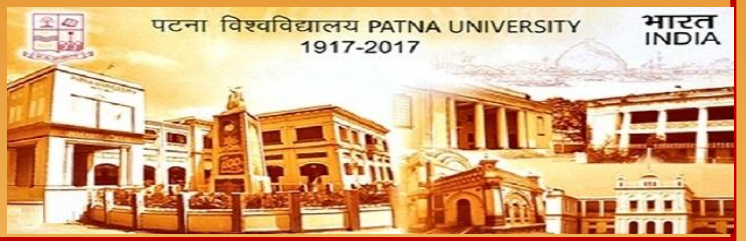

Patna University In News (13.01.2023)

THE TIMES OF INDIA

Speech contest marks Nat'l Youth Day

B K Mishra | TNN

Patna: The philosophy department of Patna Women's College (PWC) organised an inter-college speech competition on "Relevance of Swami Vivekananda's philosophy" on the occasion of his birth anniversary on Thursday.

As many 10 participants from different institutions of Patna University, including B N College, Patna College, and Patna Women's College's postgraduate philosophy department, participated in the competition. All of them spoke on the life and teaching of Swami Vivekananda and emphasised on adopting his philosophy in their own lives.

Rahul Sharma

Students perform dance on the occasion of Swami Vivekananda's birth anniversary

Sanskrit department head Smita Kumari and political science department teacher Tanya Banerjee were the judges of the completion.

The programme was held under the guidance Patna Women's College principal Sister M Rashmi, head of philosophy department, Ameeta Jaiswal and other teachers. A large number of college students were present on the occasion.

St. Xavier's College of Management and Technology also organised a panel discussion on the topic "Youth: The pillars of country's socio-economic development."